RNI NO. 458231986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

राज्यपाल बनाम मुख्यमंत्री: महामहिमों की सियासत

कारोबार: सोने का स्वर्णकाल / क्रिकेट: संसार को वैभव संदेश

14 मई, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

आसिम मुनीर

जिहादी जनरल

हद दर्जे की भारत विरोधी नीतियों वाला पाकिस्तान का यह इस्लामवादी सेना प्रमुख आखिर क्यों है इतना खतरनाक दुश्मन

CamScanner

राज्य दर्पण

पश्चिम बंगालः दलबदलुओं पर वफादारों को तरजीह पेज 13 **गोवाः** तंवोले की आड़ में नहीं चलेगा जुआ पेज 14

आंध्र का बांद्रा
एक कलाकार की कल्पना में कुछ ऐसी दिख सकती है अमरावती 2.0 की स्काइलाइन

▶ आंध्र प्रदेश

साकार होगी सपनों की राजधानी

पहले चरण में खर्च जरूर 45,000 करोड़ रुपए से ज्यादा होंगे लेकिन नायडू की अमरावती दुनिया के 'पांच बेहतरीन शहरों' में से एक बनने की राह पर चल पड़ी

अमरनाथ के. मेनन

इतिहास के लंबे-चौड़े विस्तार को देखते हुए पांच साल का अंतराल कुछ भी नहीं. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के सपनों की राजधानी अमरावती 2 मई को नियति के साथ अपने महामिलन की दोबारा शुरुआत करते हुए कल्पना के दायरे से निकलकर ईंट और गारे की हकीकत में आ गई. 22 अक्तूबर 2015 को उद्दंडरायुनिपलेम में इसकी आधारशिला रखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फिर तैयार हैं इस ग्रीनफील्ड राजधानी के निर्माण में हाथ लगाने के लिए.

मार्च में राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए नायडू ने कुल 37,702 करोड़ रुपए की 59 विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी. अमरावती 2.0 की परिकल्पना 'अत्याधुनिक सुविधाओं, सुघड़ परिवहन व्यवस्था और हरित जगह से भरपूर स्मार्ट सिटी' के रूप में की गई है और इसके पहले चरण में 64,721 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा, जिसे पूरा करने के लिए 30 महीने की समय सीमा तय की गई. अपने अंतिम रूप में 217 वर्ग किलोमीटर में फैली नौ थीम सिटी और 27 टाउनशिप के साथ अमरावती को नौकरियों का सृजन करने वाले आर्थिक केंद्र और सैलानियों के आकर्षण के रूप में पेश किया गया है.

आधुनिक विधानसभा का इंतजार कीजिए, जो 103 एकड़ के इलाके में 11.2 लाख वर्ग फुट की 250 मीटर ऊंची इमारत होगी, जिसकी ऊपरी मंजिलें सत्र नहीं चलने के दौरान सैलानियों के लिए खुली होंगी. साथ ही, 17 लाख वर्ग फुट में फैला 47 मंजिला मुख्यमंत्री कार्यालय भी होगा, जिसमें सामान्य

CamScanner

प्रशासन के दफ्तर होंगे. हाइकोर्ट 20.32 लाख वर्ग फुट में फैली आठ मंजिला और 55 मीटर ऊंची इमारत होगी, जो 42 एकड़ के अहाते में कानून की भव्यता का बखान कर रही होगी. और सचिवालय कैसा होगा? जी हां, यह पांच गगनचुंबी इमारतों में बसा होगा! कुल 580 किमी लंबे चार नए राजमार्ग इस चहलपहल भरे केंद्र तक आने-जाने की सुविधा देंगे. तकनीकी समीक्षा में जिन 73 लंबित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, उनमें टीडीपी के संस्थापक एन.टी. रामराव की प्रतिमा, एक शानदार पुल और कृष्णा नदी के तटबंध पर सड़क शामिल हैं. ज्यादातर कामों को तीन साल में पूरा करने का मंसूबा है.

आ रही पूंजी अथाह

वित्त मंत्री पय्यावुला केशव का कहना है कि कुल 45,249.24 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली चार चरणों की इस परियोजना का बोझ राज्य के खजाने पर नहीं पड़ेगा. धन मोटे तौर पर उस 4,000 एकड़ जमीन से जुटाया जाएगा जिसे सरकार नीलाम करना चाहती है. इसके अलावा 15,000 करोड़ रुपए विश्व बैंक से उधार लिए जाएंगे, हुडको 11,000 करोड़ रु. देगा, और दूसरे बैंक 5,000 करोड़ रुपए देंगे.

नगरपालिका प्रशासन मंत्री पी. नारायण का कहना है कि पिछली टीडीपी सरकार के दौरान 2014-19 में सौंपे गए काम बाद में आई वाइएसआरसीपी की हुकूमत ने अधूरे छोड़ दिए, जिससे ठेकेदारों को वित्तीय नुक्सान हुआ. इस दरमियान मुख्यमंत्री रहे वाइ.एस. जगन मोहन रेड्डी तिहरी राजधानी का प्रस्ताव लेकर आए, जिसमें विशाखापत्तनम, कुरनूल और अमरावती प्रशासनिक, न्यायिक और विधायी केंद्र होने थे. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रस्ताव पर लगाम लगा दी.

उस दौर में उन किसानों को विरोध प्रदर्शन करते भी देखा गया जिन्होंने नायडू की जमीन जुटाने की भारी-भरकम कोशिश के लिए अपनी जमीन दी थी. करीब 33,000 एकड़ जमीन जुटाई गई थी और किसानों को नकदी के साथ-साथ भावी शहर में संपत्ति देने का वादा भी किया गया था. किसानों का 2 मई को मंच पर मोदी के हाथों सम्मान होगा. नारायण हर्षोल्लास के साथ 'दुनिया के पांच बेहतरीन शहरों में से एक' बनाने की भविष्यवाणी कर रहे हैं. इसका आधा भी साकार हो जाए तो किसी की खुशी की इंतहा नहीं होगी.■

खास बातें

- **अमरावती को रोजगार और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां 9 थीम सिटी और 27 टाउनशिप बनाई जाएंगी.**
- **जल्द तैयार हो रहे: आधुनिक विधानसभा, हाइकोर्ट, मुख्यमंत्री कार्यालय, पांच गगनचुंबी इमारतों वाला सचिवालय और कई राजमार्ग.**

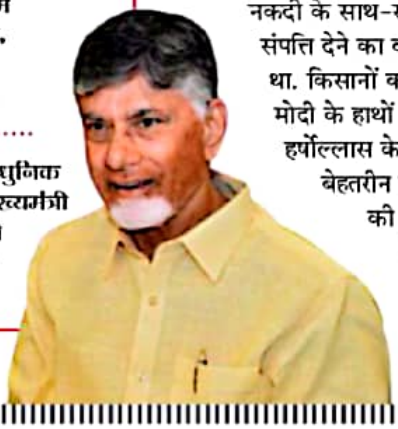

चंद्रबाबू नायडू

म बंगाल

दलबदलू अब लगने लगे ठिकाने

जड़ों की ओर
भाजपा के बंगाल प्रभारी सुनील बंसल कोलकाता के चौरंगी क्षेत्र में घर-घर सदस्यता अभियान के दौरान

@sunilbansalbjp/X

बंगाल में अब कोई दलबदलू नहीं-भाजपा के लिए रणनीतिक बदलाव की शुरुआत करते हुए सुनील बंसल ने कम से कम यही संदेश दिया लगता है

अर्कमय दत्ता मजूमदार

पश्चिम बंगाल भाजपा में लंबे समय से योग्यता और महत्वाकांक्षा के बीच एक अजीब-सा फासला रहा है. और यह तब है जब पार्टी ने वर्षों में अच्छी-खासी राजनैतिक जगह बनाई है. उसकी समस्या यह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाला संगठन भीतर से जीर्ण-शीर्ण है. 2022 के मध्य से बंगाल के लिए पार्टी के प्रभारी सुनील बंसल का लक्ष्य 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले इसमें बदलाव लाना है.

उनकी सूत्र हैं—वैचारिक प्रतिबद्धता, जमीनी स्तर पर जुड़ाव, वफादारी और व्यवस्थित योजना, जो

CamScanner